वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

बी. ए. द्वितीय वर्ष

विषय - हिन्दी

एचडी-03 (नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ)

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक 70**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

प्रश्न बैंक

खण्ड - अ (अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द है।

प्रश्न 1. आचार्यों ने काव्य के कौन-कौन से भेद किये है ?

प्रश्न 2. नाटक शब्द की उत्पत्ति किस प्रकार हुई है ?

प्रश्न 3. नाटक के प्रमुख तत्त्व कौन से है ?

प्रश्न 4. पीठमर्द कौन कहलाता है ?

प्रश्न 5. एकांकी के संवाद में कौन-कौन से गुण होने चाहिए ?

प्रश्न 6. निबन्ध का शाब्दिक अर्थ बताइए ।

प्रश्न 7. निबन्ध के प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 8. प्रभाववादी आलोचना किसे कहते है ?

प्रश्न 9. श्रेष्ठ व्यंग्य में कौन से गुण होते है ?

प्रश्न 10. किन्हीं दो व्यंग्य लेखकों के नाम बताइए।

प्रश्न 11. फोर्ट विलियम कॉलेज में हिन्दुस्तानी के अध्यापक कौन-कौन थे ?

प्रश्न 12. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी सरस्वती पत्रिका के सम्पादक बने ?

प्रश्न 13. 'आवारा मसीहा' किस की जीवनी है और किसने लिखी ?

प्रश्न 14. महादेवी वर्मा के दो संस्मरणों के नाम बताइए ।

प्रश्न 15. हिन्दी की प्रथम आत्मकथा एवं कथाकार का नाम बताइए।

प्रश्न 16.'कलाधर' उपनाम से जाने जाते है ?

प्रश्न 17. प्रसाद का जीवन काल बताइए

प्रश्न 18. प्रसाद के नाटकों का नामोल्लेख कीजिए।

प्रश्न 19. 'ध्रुवस्वामिनी नाटक में कितने अंक है ?

प्रश्न 20. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के प्रमुख पात्रों का नाम बताइए।

प्रश्न 21.''मुझमें भी रक्त की तरल तालिया है। मेरा हृदय उष्ण है और उसमें आत्म सम्मान की ज्योति है। उसकी रक्षा मैं करूँगी।'' किस का कथन है ?

प्रश्न 22. भारतीय नाट्य परम्परानुसार नाटक के मूल तत्त्व बताइए।

प्रश्न 23. नायक कौन होता है, और कितने भेद किए गए है ?

प्रश्न 24. संकलनत्रय से क्या अभिप्राय है ?

प्रश्न 25.''चलूँगी क्यों नहीं! किन्तु मेरा नीड़ कहाँ ? यह तो स्वर्ण पिंजर है।'' कथन किस का है ?

प्रश्न 26.'महाभारत की एक साँझ' किस विद्या की रचना है ?

प्रश्न 27.''किसके पापों' का यह परिणाम है, किसकी भूल थी जिसका भीषण विषफल हमें मिला।'' यह कथन किसने किससे कहा ?

प्रश्न 28. दुर्योधन शब्द का क्या अर्थ होता है ?

प्रश्न 29. 'महाभारत की एक साँझ' एकांकी की कथा कहां से ली गई है ?

प्रश्न 30. रेडियो रूपक किसे कहते है ?

प्रश्न 31. 'महाभारत की एक साँझ' में कितने पात्र है ? नाम लिखिए

प्रश्न 32. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल 'गद्य' की कसौटी किसे मानते है ?

प्रश्न 33. उत्साह किसे कहते है ?

प्रश्न 34. उत्साह के कितने भेद किये गये है ? नाम लिखो।

प्रश्न 35. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबन्ध संग्रहों का नामोल्लेख कीजिए।

प्रश्न 36. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं ?' निबन्ध किस संग्रह से लिया गया है ?

प्रश्न 37. नाखून बढ़ना किस बात की निशानी है ?

प्रश्न 38. 'नाखून' क्यों बढ़ते है ?' निबन्ध से द्विवेदी जी क्या संदेश देते है ?

प्रश्न 39. डॉ. रामविलास शर्मा की किन्हीं' दो आलोचनात्मक कृतियों के नाम लिखो।

प्रश्न 40. तुलसीदास के साहित्य का मूल संदेश क्या है ?

प्रश्न 41. डॉ. रामविलास शर्मा किस विचारधार के आलोचक है ?

प्रश्न 42. तुलसी के साहित्य में किस प्रकार के राज्य की कल्पना की गई है ?

प्रश्न 43. तुलसीदास इस्लाम के विरोधी नहीं थे। इस विषय में डॉ. शर्मा का क्या तर्क था ?

प्रश्न 44. 'भोलाराम' का जीव' किस विधा की रचना है ?

प्रश्न 45. परसाई जी के प्रमुख निबन्ध संग्रहों का नामोल्लेख कीजिए ?

प्रश्न 46. 'भोलाराम का जीव' कहानी में किस सामाजिक बुराई की ओर ध्यान दिलाया गया है ?

प्रश्न 47. भोलाराम का जीव कहाँ अटक गया था ?

प्रश्न 48. हरिवंश राय बच्चन की आत्म' कथा के कितने भाग है ? प्रथम भाग का नाम लिखो।

प्रश्न 49. 'हालावाद के प्रवर्तक किसे माना जाता है ?

प्रश्न 50. हरिवंश राय बच्चन की प्रसिद्ध रचनाओं का उल्लेख कीजिए ?

प्रश्न 51. 'कलम' का सिपाही' किस की जीवनी है और किसने लिखी ?

प्रश्न 52. प्रेमचन्द का जीवनकाल (जन्म-मृत्यु) का उल्लेख कीजिए ?

प्रश्न 53. हिन्दी के हिन्दी दो यात्रा वृतान्तकारों के नाम लिखो ?

प्रश्न 54. नर्मदा पर किसने अपने यात्रा वृतान्त लिखें है ?

प्रश्न 55. संस्मरण किसे कहते है ?

प्रश्न 56. घीसा गुरूदक्षिणा में क्या भेंट करता है ?

प्रश्न 57. घीसा के नामकरण का तर्क था ?

प्रश्न 58. 'अदम्य साहस' रिपार्जाज किस संग्रह में' संकलित है ?

प्रश्न 59. रिपार्ताज का अर्थ स्पष्ट कीजिए ?

प्रश्न 60. 'अदम्य जीवन' में बंगाल की किस घटना का वर्णन है ?

खण्ड - ब (लघुतरात्तम प्रश्न)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 1. नाटक के प्रमुख लक्षणों पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 2. नाटक के तत्त्वों का सामान्य परिचय दीजिए।

प्रश्न 3. नाटक एवं एकांकी के स्वरूप में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4. आलोचना का अर्थ एवं स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5. व्यंग्य भाषा पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 6. जीवनी एवं आत्मकथा में सोदाहरण अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 7. संस्माण किसे कहते है ? हिन्दी संस्मरण विधा के विकास पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 8. जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

प्रश्न 9. 'अभिनय की दृष्टि से प्रसाद के नाटक रंगमंच के अनुकूल नहीं माने जाते है' कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

प्रश्न 10. जयशंकर प्रसाद के कृतित्व पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 11. 'ध्रुवस्वामिनी' की कथावस्तु का उल्लेख दीजिए।

प्रश्न 12. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक उपेक्षित नारी के विद्रोह, संघर्ष एवं मुक्ति का प्रतीक है।' कथन सिद्ध कीजिए।

प्रश्न 13. ध्रुवस्वामिनी नाटक के विषय में प्रसाद जी का क्या उद्देश्य था? स्पष्ट दीजिए।

प्रश्न 14. चरित्र चित्रण की शैलियों को समझाइए।

प्रश्न 15. धुरवस्वामिनी नाटक की प्रधान नायिका है। सिद्ध कीजिए।

प्रश्न 16. चन्द्रगुप्त के चरित्र की विशेषताओं का सामान्य परिचय दीजिए।

प्रश्न 17. 'संवाद नाटक का प्राण तत्त्व होता है। कथन को धुरवस्वामिनी नाटक के आधार पर प्रमाणित कीजिए।

प्रश्न 18. प्रसाद के नाटकों की भाषा शैली पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 19. 'महाभारत की एक सांझ' एकांकी घटनाप्रधान न होकर चिंतन प्रधान है। स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 20. 'महाभारत की एक साँझ एकांकी' के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 21. 'महाभारत की एक साँझ' का पतिपाद्य विषय को अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 22. एकांकी के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र चित्रण कीजिए।

प्रश्न 23. अभिनेयता की दृष्टि से 'महाभारत की एक साँझ' एकांकी की विशेषताएँ बताइये।

प्रश्न 24. 'दुःख के वर्ग में जो स्थान भय का है, वही स्थान आनन्द वर्ग में उत्साह स्थान का है।' व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 25. उत्साह और आशा में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 26. उत्साह मनोविकार का मानव जीवन में महत्त्व बताइये।

प्रश्न 27. हजारी प्रसाद द्विवेदी का जीवन परिचय दीजिये।

प्रश्न 28. ललित निबन्ध किसे कहते है? स्वरूप स्पष्ट कजिये।

29. ''नाखून क्यों बढ़ते है ? निबन्ध की शैली पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 30. तुलसी जाति - प्रथा व छुआछूत के विरोधी थे। निबन्ध के आधार सिद्ध कीजिये।

प्रश्न 31. तुलसी के साहित्य में सभी मतो व धर्मो का समन्वय हुआ है सोदाहरण समझाइये।

प्रश्न 32. डॉ. रामविलास शर्मा के निबन्ध 'तुलसी - साहित्य के सामन्त विरोधी मूल्य' के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 33. डॉ. रामविलास शर्मा के प्रगतिशील चेतना संबंधी विचारो पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 34. 'तुलसी साहित्य के सामन्त-विरोधी मूल्य के आधार पर तुलसी के नारी के प्रति संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 35. हास्य और व्यंग्य रचना में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 36. 'भोलाराम का जीव' कहानी के आधार पर सरकारी कार्यालयो' में व्याप्त भ्रष्टाचार पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 37. हास्य का सामाजिक जीवन में क्या महत्त्व है।

प्रश्न 38. हरिवंशराय बच्चन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए।

प्रश्न 39. बच्चन द्वारा लिखित 'मेरा बच्चन' आत्मकथा के महत्त्व को स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न 40. 'मेरा बचपन' आत्मकथा के सामाजिक ध्येय पर प्रकाश डालिये।
प्रश्न 41. 'लमही में जन्म और मृत्यु' जीवनी के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न 42. 'लमही में जन्म और मृत्यु' जीवनी के संरचना शिल्प एवं भाषा शैली पर टिप्पणी लिखिए।
प्रश्न 43. संस्मरण एवं रेखा चित्र में अंतर स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न 44. संस्मरणकार महादेवी वर्मा के कृतित्व पर टिप्पणी लिखिए।
प्रश्न 45. घीसा की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
प्रश्न 46. 'घीसा सच्चा गुरूभक्त है।' सोदाहरण सिद्ध कीजिए।
प्रश्न 47. रिपोर्ताज की परिभाषा देते हुए साहित्यिक महत्त्व को बताइये।
प्रश्न 48. हिन्दी रिपोर्ताज के विकास में रांगेय राघव के योगदान को लिखिए।
प्रश्न 49. नाटक के अर्थ एवं स्वरूप की विवेचना कीजिए।
प्रश्न 50. निबन्ध का अर्थ स्पष्ट करते हुए तत्त्वो की विवेचना कीजिए।
प्रश्न 51. टिप्पणी लिखिए -
(क) व्यंग्य की भाषा (ख) ललित निबन्ध
प्रश्न 52. आत्मकथा एवं जीवनी की परिभाषा देकर अन्तर स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न 53. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के पात्र मंदाकिनी एवं कोमा का चरित्र - चित्रण कीजिए।
प्रश्न 54. नाटककार (भारत भूषण) अग्रवाल का जीवन परिचय दीजिए।
प्रश्न 55. उत्साह के भेदों को समझाइये।
प्रश्न 56. 'नाखून क्यों बढते है' निबन्ध के भावपक्ष को समझाये।
प्रश्न 57. रिपोर्ताज के विधागत महत्त्व पर अपने विचार लिखिए।
प्रश्न 58. आलोचना के प्रकारो को संक्षेप में समझाइये।

खण्ड - स (निबन्धात्मक प्रश्न)
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में लिखिए।
प्रश्न 1. नाटक के तत्त्वो का विस्तार से वर्णन कीजिए।
प्रश्न 2. आलोचना के भेदों को सोदाहरण समझाइये।
प्रश्न 3. हिन्दी में प्रमुख गद्य विधाओं पर निबन्ध लिखिए।
प्रश्न 4. यात्रा वृतान्त क्या है ? प्रमुख यात्रा वृतान्तो का विवरण दीजिए।
प्रश्न 5. नाटककला के तत्त्वों के आधार पर प्रसाद के नाटकों की विशेषताएं बताइये।
प्रश्न 6. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के आधार पर गुप्त काल की परिस्थितियों का सोदाहरण वर्णन दीजिए।

प्रश्न 7. ध्रुवस्वामिनी का चरित्र चित्रण दीजिए।

प्रश्न 8. 'प्रसाद के नाटक रंगमंच के अनुकूल है।' ध्रुवस्वामिनी नाटक के आधार पर सिद्ध कीजिए।

प्रश्न 9. 'महाभारत की एक साँझ' एकांकी की तात्त्विक विवेचना दीजिए।

प्रश्न 10. उत्साह निबन्ध के आधार पर शुक्ल जी के निबन्धों की विशेषताएँ बताइये।

प्रश्न 11. नाखून क्यो बढते हैं ? निबन्ध के आधार पर द्विवेदी जी के व्यक्तित्त्व की विशेषताएँ बताइये।

प्रश्न 12. 'तुलसी साहित्य के सामन्त - विरोधी मूल्य' निबन्ध का सार अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 13. 'तुलसी साहित्य के सामन्त - विरोधी मूल्य' निबन्ध के आधार तुलसी कृतित्व की विशेषताएँ बताइये।

प्रश्न 14. भक्ति आंदोलन में तुलसी की प्रगतिशीलता सम्बन्धी विशेषताओं का विस्तार से वर्णन कीजिए।

प्रश्न 15. 'भ्रष्टाचार ने मानवीय संवेदना एवं सहानुभूति को समाप्त कर दिया है।' वर्तमान सरकारी कार्यालयों की कार्यप्रणाली का विस्तार से वर्णन कीजिए।

प्रश्न 16. बच्चन की आत्मकथा 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' व्यक्तिगत होकर ही समाजोपयोगी है। कथन को सिद्ध कीजिए।

प्रश्न 17. जीवनी के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए हिन्दी में जीवनी लेखन का विवरण दीजिए।

प्रश्न 18. प्रेमचन्द की जीवनी: लमही में जन्म व मृत्यु की कथा वस्तु को अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 19. मोहन राकेश के यात्रा वृतान्त 'आखिरी चट्टान तक' की संरचना एवं शिल्प पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 20. 'आखिरी चट्टान तक' में कहानी और नाटकीयता विद्यमान हैं कैसे ? सिद्ध कीजिए।

प्रश्न 21. हिन्दी में संस्मरण एवं रेखाचित्र का परिचय देते हुए अन्तर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 22. 'घीसा' संस्मरण के पात्र घीसा के गुणों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 23. संरचना एवं शिल्प की दृष्टि से रिपोर्ताज का वर्तमान गद्य में महत्त्व बताइये।

प्रश्न 24. रिपोर्ताज लेखन के तत्त्वों के आधार पर 'अदम्य जीवन' का विश्लेषण कीजिए।

खण्ड - अ

अतिलघूत्तरात्मक उत्तर

1. (1) दृश्य काव्य (2) श्रव्य काव्य
3. छः तत्त्व कथावस्तु, पात्र, कथोपकन, देशकाल, शैली और उद्देश्य
4. नाटक में नायक की सहायता करने वाला पात्र पीठ मर्द है।
5. संक्षिप्तता, रोचकता, कलात्मकता, व्यंग्यात्मकता, मार्मिकता आदि।
6. नि+बंध अर्थात् बाँधना, रोकना और संग्रह करना माना गया है।
7. वर्णनात्मक, विवरणात्मक, कथात्मक, विचारात्मक, भावात्मक, आलोचनात्मक ललित निबन्ध आदि।
8. किसी रचना के प्रभाव में आकर जो आलोचना की जाती है, उसे प्रभाव बाकी आलोचना कहते है।
9. मौलिकता, सत्यता, रोचकता व रचना कौशल आदि।
10. हरिशंकर परसाई, शरद जोशी, रवीन्द्र त्यागी, नरेन्द्र कोहली आदि।
11. लल्लूलाल एवं सदल मिश्र
12. सन् 1903 ई में।
13. शरदचन्द्र चट्टोपाध्याय, जीवनीकार -विष्णु प्रभाकर
14. (1) स्मृति की रेखाएँ 1943
    (पप) अतीत के चल चित्र-1946
15. अर्धकथानक - बनारसीदास जैन 1641 ई.
16. जयशंकर प्रसाद
17. जन्म - 1889 ई. मृत्यु 25 नवम्बर, 1937 ई.
18. कंकाल, तितली, इरावती।
19. तीन
20. धुरवस्वामिनी' चन्द्रगुप्त, रामगुप्त, शकराज
    मंदाकिनी तथा कोमा एवं पुरोहित।
21. धुरवस्वामिनी
22. वस्तु, नेता, रस
23. नायक -नाटक का प्रधान पात्र होता है।
    भेद (1) धीरोदत्त (2) धीर ललित
    (3) धीर प्रशान्त (4) धीरोद्धात्त
24. नाटक में - स्थान, समय एवं कार्य की एकता को संकलनत्रय कहते है।
25. धुरवस्वामिनी
26. एकांकी
27. धृतराष्ट्र ने संजय से।

28. दुर्योधन अर्थात् मर्यादाहीन धृष्टता पुर्वक युद्ध करने वाला।
29. पौराणिक काल में घटित कौरव-पाण्डवों के मध्य युद्ध के अंतिम दिन की घटना है।
30. जिस नाटक को रेडियो के माध्यम से श्रोता समाज सुनता है, रसास्वादन करता है और तृप्ति का अनुभव करता है अर्थात् श्रव्य नाटक है।
31. पाँच-धृतराष्ट्र, संजय, भीम, युधिष्ठिर एवं दुर्योधन।
32. निबन्ध को।
33. जिस आनन्द से कर्म की उत्तेजना होती है तथा जो आनन्द कर्म करते समय बराबर चलता रहता है, वहीं उत्साह कहलाता है।
34. तीन - (1) युद्धवीर, (2) दानवीर (3) दयावीर
35. अशोक के फूल, कुटज, कल्पलता, आलोक पर्व, विचार और वितर्क।
36. कल्पलता
37. मानव मन में पशुता, जंगलीपन की निशानी है।
38. विश्वशांति तथा पशुता एवं मानवता में अन्तर का संदेश देते है।
39. (1) प्रगति और परंपरा ।
    (2) भाषा - साहित्य और संस्कृति।
40. मानव-प्रेम
41. माक्र्सवादी (प्रगतिशील)
42. राम राज्य
43. कविताली के एक पद में माँगकर खाने एवं मस्जिद में सोने की बात कही है।
44. व्यंग्य - कहानी।
45. ठिठुरता गणतन्त्र, भूत के पांव पीछे,
    पगडंडियों का जमाना, बेईमानी की परत,
    सदाचार का ताबीज आदि।
46. भ्रष्टाचार
47. पेंशन की फाईलों में।
48. भाग - 4, प्रथम भाग - क्या भूलूँ क्या याद करूँ।
49. हरिवंशराय बच्चन को।
50. मधुशाला, मधुबाला, मधुकलश, निशा निमन्त्रण आदि।
51. प्रेमचन्द - लेखक अमृतराय
52. जन्म - 31 जुलाई, 1880 ई.
    मृत्यु 8 अक्टूबर, 1936 ई.
53. राहुल सांकृत्यापन,

अज्ञेय,

रामवृक्षबेनीपुरी आदि।

54. अमृतलाल बेगड ने।
55. सम्+स्मरण अर्थात् सम्यक स्मरण कर साहित्यिक शैली में लिखि रचना।
56. तरबूज
57. घीसा - पेट के बल पर घसिट-घसिटकर चलने के कारण।
58. तूफानों के बीच
59. फ्रांसीसी भाषा का शब्द है और अंग्रेजी के रिपोर्ट से बना है। रिपोर्ट के कलात्मक और साहित्यिक रूप को रिपोर्ताज कहते है।
60. बंगाल के अकाल एवं महाविनाश की घटना का वर्णन।